KWS

In the Newspapers....

March 2011

MatriKiran
OPENING
JUNIOR SCHOOL
Sector 49, Sohna Road, Gurgaon

FLYING COLOURS

Differently-abled kids prepare eco-friendly colours so that you can have a healthy Holi

Bhawna Gandhi | TNN

Organic colours are the rage in Gurgaon this Holi. Prepared using extracts of flowers and other organic plants, these colours not only allow people to enjoy an eco-friendly festival, but also serve as a source of income for a group of differently-abled children, who manufacture these products over the course of a year.

Various NGOs in Gurgaon have engaged these children in the task of preparing colours using flowers, with an aim to add colour to their own lives by empowering them financially. "We collect flowers from various temples and hotels and then process them to make natural colours. These differently-abled kids are taught how to sort out the flowers on the basis of colours, which are then dried in the shade to make natural colours," said Seema Krishnan of Khushboo Welfare Society.

She added, "After the colours are prepared, we pack them beautifully and sell them to corporate houses like Wipro and Fidelity."

Anmol Sharma, 11, of Laxman Vihar suffers from Down's syndrome, but his disability has not got in the way of his creativity. He works with colours throughout the year so that others can enjoy a safe Holi.

"Although his hand-eye coordination is not perfect, he can easily sort out the flowers," said Krishnan.

Kirti Wadhwa from New Colony is speech deficient, but has a profound fondness for art and colours. She eagerly awaits her classes, where she sits with other kids in a group and does the sorting, cutting and drying of flowers.

"She is an active learner. She finishes her work fast and also helps the others learn," said her teacher.

Soni Verma, a 10-year-old with multiple disabilities, spends her days sitting by the window and gazing outside. But talk of flowers, and her eyes begin to sparkle.

She motions for a pair of scissors, signaling that she wants to cut the flowers and begin making some colour.

Various NGOs in the city have joined hands with the Delhi-based Society for Child Development to promote the Natural Colours program. Madhumita Suri, founder of Society for Child Development says more than 650 differently-abled children are engaged in the collection and recycling of flowers.

"We have kids from more than 40 NGOs associated with us, who collect flowers and send them to us for processing. Last year, we produced more than 50 kgs of natural colours, which was in turn purchased by hotels, corporate hubs as well as the Ministry of Environment. Depending upon the work done, each child earns anywhere between Rs 500 and Rs 5,000," said Suri.

HUE AND TRY: These children from various city-based NGOs are trained to make natural dyes

These organic colour packets are sold at Rs 40 per pack for 100 gms and Rs 250 per kg in case of a bulk purchase.

The money raised from selling these colours goes into other child welfare programmes or is given to the child who manufactured it as reward money.

विकलांगता अभिशाप नहीं, चुनौती : सुधीर

आज समाज, गुड़गांव

समाज में विकलांग व्यक्तियों को बराबरी का दर्जा मिलना चाहिए। विकलांग भी समाज के प्रत्येक व्यक्ति की तरह आम नागरिक होते हैं। आज विकलांगता अभिशाप नहीं, बल्कि एक चुनौती है, समाज के सभी लोगों को साथ मिलकर इसका सामना करना है।

यह बात गुड़गांव नगर निगम के आयुक्त सुधीर राजपाल ने स्थानीय डीएवी स्कूल में खुशबू वेल्फेयर सोसायटी की ओर से आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय विशेष खेलों का शुभारंभ करने के बाद कही। उन्होंने कहा कि इन लोगों को दया की नहीं बल्कि समाज के लोगों के प्यार व समाज में बराबरी के दर्जे की जरूरत है। इन लोगों के लिए काम करने वाली एनजीओ को पैसे नहीं बल्कि विकलांगों की सहायता के लिए आम जनमानस की भागीदारी चाहिए। एक विकलांग के साथ थोड़ा सा समय बिताकर कोई भी व्यक्ति उसके जीवन में खुशी बांट सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को प्रदेश और केन्द्र सरकार द्वारा विकलांगों के उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे जीवन में अपनी क्षमता अनुसार विकलांग व्यक्तियों की सहायता करें।

उन्होंने बताया कि हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है जहां विकलांग व्यक्तियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अशिक्षित शत प्रतिशत विकलांग व्यक्ति को 750 रुपए प्रतिमाह और 70 प्रतिशत विकलांग व्यक्ति को 500 रुपए प्रतिमाह पेंशन के रूप में दिए जाते हैं। सोसायटी की ओर से मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए आयोजित जिला स्तरीय विशेष खेल दो दिन तक चलेंगे। इन खेलों में डीएवी स्कूल, केडब्ल्यूएस, हेरिटेज, विश्वास, चिरंजीव भारती और मानव विकास स्कूलों के विशेष बच्चे इन खेलों में भाग ले रहे हैं।

जिलास्तरीय विशेष खेलों का शुभारंभ करते निगमायुक्त सुधीर राजपाल।

आज समाज
गुड़गांव

10-03-11 N.B. Times

स्पेशल चिल्ड्रेन ने दिखाया दमखम

एनबीटी न्यूज ॥ गुड़गांव : सेक्टर 10 ए स्थित डीएवी स्कूल में विकलांग बच्चों के लिए बुधवार को दो दिवसीय जिलास्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। खुशबू वेलफेयर सोसायटी की ओर से आयोजित की जा रही इस प्रतियोगिता में 140 बच्चे भाग ले रहे हैं। सोसाइटी के डिप्टी डायरेक्टर विजय ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जिले के 6 स्कूल भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में चार तरह के इवेंट शामिल किए गए हैं। इनमें 100, 200, 400 मीटर रेस, टेनिस बॉल थ्रो, साफ्ट बॉल थ्रो व शॉट पुट शामिल हैं।

गुड़गांव.डीएवी स्कूल में जिला स्तरीय विशेष खेलकूद प्रतियोगिता के शॉर्ट पुट में गेंद फेंकती मानसिक रूप से विकलांग खिलाड़ी।

फर्राटा दौड़ में सुमन और हेमंत ने मारी बाजी

भास्कर न्यूज | गुड़गांव

मानसिक व शारीरिक रूप से विकलांग विद्यार्थियों की जिला स्तरीय विशेष खेलकूद प्रतियोगिता के अंतिम, दिन हुई फर्राटा दौड़ (100 मीटर) में महिला वर्ग में सुमन और पुरुष वर्ग में हेमंत ने बाजी मारी। प्रतियोगिता के समापन समारोह में विजेताओं को मुख्य अतिथि व्यवसायी ईश्वर सिंह जून ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता प्रतियोगिता की आयोजक खुशबू वेल्फेयर सोसायटी के अध्यक्ष मेजर एमएस कृष्णन ने की।

सोसायटी के तत्वावधान में हुई दो दिवसीय जिला स्तरीय विशेष खेलकूद प्रतियोगिता के अंतिम दिन विभिन्न स्पर्धाओं के फाइनल मुकाबले कराए गए। इनके अंतर्गत लड़कियों के 12 से 15 वर्ष आयु वर्ग की फर्राटा दौड़ में सुमन ने पहला, कीर्ति ने दूसरा व स्वीटी ने तीसरा स्थान हासिल किया। लड़कों के 16 से 21 आयु वर्ग की फर्राटा दौड़ में हेमंत ने बाजी मारी जबकि सुमीत ने दूसरे व मनप्रीत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी आयु वर्ग की शॉटपुट स्पर्धा में मुकुल पहले, सौरभ दूसरे व सुधीर तीसरे स्थान पर रहे। लड़कियों के 12 से 15 आयु वर्ग की 200 मीटर दौड़ में शिल्पा ने पहला, श्वेता ने दूसरा और सुमन ने तीसरा स्थान अर्जित किया। वहीं लड़कों में 16 से 21 आयु वर्ग की बोची स्पर्धा में राहुल सरसवाल अव्वल रहे तथा अंशित दूसरे व सागर तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता का समापन समारोह रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति के बीच संपन्न हुआ। इस दौरान विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि ईश्वर सिंह ने कहा कि विकलांगता एक चुनौती है। इस चुनौती का ये बच्चे साहस के साथ सामना कर रहे हैं। इस मौके पर सोसायटी के उप-निदेशक विजयपाल, स्पेशल ओलंपिक भारत के क्षेत्रीय प्रशिक्षक दीपक वालिया, सोसायटी की प्रबंधक सीमा कृष्णन, उपाध्यक्ष एसी गुप्ता, हिमांशु और राकेश आदि उपस्थित हुए।

दैनिक भास्कर 10-3-11

Thursday, March 31, 2011